SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

ज्ञान के विषय में बाइबल क्या कहती है? — भाग 2 · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्र

भाग 2 · मौलिक बाइबिल सिद्धांत पर आधारित एक नया अध्ययन

ज्ञान — आधारभूत बाइबलीय सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

ज्ञान एक अनमोल निधि है, और जिन लोगों में इसकी कमी होती है, वे नाश हो जाते हैं। यह वह आधार है जो पहले ही हमारे सामने रखा जा चुका है; अब हम आगे बढ़ते हैं, उसी सत्य के नए साक्षियों के साथ। इब्री शब्द है दाथ (H1847, ज्ञान), जो यादा (H3045, जानना) से आता है, और इसका अर्थ है देखकर जानना — परमेश्वर से व्यक्तिगत रूप से परिचित होना, न कि केवल उसके बारे में सुनना। यूनानी शब्द है ग्नोसिस (G1108, ज्ञान); और एक और पूर्ण शब्द है एपिग्नोसिस (G1922, भलीभांति जान लेना), वह सम्पूर्ण ज्ञान जो सत्य को पकड़ लेता है। इस बात को ध्यान से देखिए: परमेश्वर जो ज्ञान तुम में चाहता है, वह पुस्तकों का ढेर लगाना नहीं है, क्योंकि अध्ययन अपने आप में केवल शरीर को थका देता है। यह तो एक व्यक्ति को जानना है। एक व्यक्ति सारा जीवन अध्ययन कर सकता है और फिर भी इसे कभी न पा सके; दूसरा परमेश्वर का भय मानता है, इसके लिए पुकारता है, और इसे पा लेता है। यह यहोवा के भय से आरम्भ होता है; यह उन्हें मिलता है जो इसे खोजते हैं; और इसका अंत जीवन है — सच्चे परमेश्वर को, और जिस पुत्र को उसने भेजा है, उसे जानना। एक दिन आने वाला है जब सारी पृथ्वी इससे भर जाएगी। इसलिए सावधान रहो कि तुम कैसे सुनते हो। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. ज्ञान कहाँ से शुरू होता है, और मनुष्य इसे कैसे प्राप्त करता है?
2. सभी ज्ञान का अंत क्या है — अनन्त जीवन पाने के लिए मनुष्य को क्या जानना आवश्यक है?
3. ज्ञान को अस्वीकार करने वालों पर क्या आता है, और सारी पृथ्वी से किस आशा की प्रतिज्ञा की गई है?

रखी गई नींव — ज्ञान

आधार → बुद्धिमान पुरुष ज्ञान का संचय करते हैं (नीतिवचन 10:14)।

आधार → मेरे लोग ज्ञान की कमी से नाश हुए (होशे 4:6)।

नींव → मेरी प्रजा अज्ञानता के कारण बंधुआई में चली गई है (यशायाह 5:13)।

नींव → ज्ञान के द्वारा धर्मी छूट जाएगा (नीतिवचन 11:9)।

आधार → वह किसको ज्ञान सिखाएगा? = उनको जो दूध से छुड़ाए गए हैं (यशायाह 28:9)।

नींव → उपदेश पर उपदेश + पंक्ति पर पंक्ति + यहां थोड़ा, और वहां थोड़ा (यशायाह 28:10)।

> *यह भाग 2 गवाहों के एक नए समूह से इसी सत्य की पुष्टि करता है।*

ग्रीक मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **G1108 gnosis** — ज्ञान, विज्ञान
मसीह यीशु के ज्ञान की उत्तमता

"ज्ञान" — **G1922 epignosis** — स्वीकार करना, पूर्ण विवेक
सत्य के ज्ञान तक पहुँचना

"जानना" — **G1097 ginosko** — जानना, समझना
केवल तुझ, सच्चे परमेश्वर को जानें

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दो यूनानी शब्दों पर ध्यान दें, क्योंकि ये आपस में गहरे संबंधित हैं परंतु एक जैसे नहीं हैं। gnosis (G1108, ज्ञान) का अर्थ है ज्ञान, विद्या; epignosis (G1922, अभिज्ञान) का अर्थ है पूर्ण विवेक, सत्य को स्वीकार करना। एक व्यक्ति अपने पूरे जीवन भर पहले वाले को इकट्ठा कर सकता है और कभी दूसरे तक नहीं पहुँच पाता: सदा सीखते रहना, परंतु सत्य के epignosis तक कभी न पहुँच पाना। परमेश्वर ने वहाँ पूर्णतर शब्द चुना, और यह चुनाव स्वयं हमें कुछ सिखाता है।)

हिब्रू मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **H1847 daath** — ज्ञान, बोध
बुद्धिमान का कान ज्ञान ढूंढ़ता है

"जानना" — **H3045 yada** — देखकर जान लेना, निश्चित रूप से पता लगाना
फिर हम जानेंगे, यदि हम यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते रहें

"ज्ञान" — **H1844 deah** — ज्ञान
पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी

"समझ" — **H998 biynah** — समझ, ज्ञान
यदि तू ज्ञान के लिये पुकारे

(मेरे व्यक्तिगत विचार — स्ट्रॉन्स के अनुसार यादा (H3045, जानना) का अर्थ है देखकर जानना। अय्यूब ने अपने सारे सुनने के बाद यह कहा था: मैं ने तेरे विषय में कानों से तो सुना था, परन्तु अब मेरी आंख तुझे देखती है। यही वह ज्ञान है जिसकी खोज में यह अध्ययन है — केवल कान से सुनना ही नहीं, बल्कि दृष्टि से देखना।)

खुलने वाला लंगर

नीतिवचन 1:7 यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है; बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं। **[H1847 daath ⚑]**

यहोवा का भय = ज्ञान का आरम्भ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ज्ञान का एक आरंभ है, और वह आरंभ है यहोवा का भय। दाथ (H1847, ज्ञान) अभिमानी को नहीं मिलता; यह वहाँ से आरंभ होता है जहाँ मनुष्य झुकता है और परमेश्वर का भय मानता है। जो कोई उससे भय नहीं मानेगा, वह उससे सीख नहीं सकता।)

I. इसे खोजो, और इसे संचित करो

A. नीतिवचन 18:15 समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है; और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं। **[H1847 daath ⚑]**

समझवाले का मन ज्ञान प्राप्त करता है + और बुद्धिमान ज्ञान की बात की खोज में रहते हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ज्ञान किसी आलसी व्यक्ति में उंडेला नहीं जाता; समझदार इसे प्राप्त करते हैं, बुद्धिमान इसे ढूंढ़ते हैं। इसे ढूंढ़ना ही पड़ता है।)

B. नीतिवचन 2:3 यदि तू प्रवीणता और समझ के लिये अति यत्न से पुकारे **[H998 biynah ⚑]**

यदि तू ज्ञान के लिये पुकारे + समझ के लिये अपनी आवाज़ ऊंची करे।

C. नीतिवचन 2:5 तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा। **[H1847 daath ⚑]**

तब तू यहोवा के भय को समझेगा + परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — क्रम पर ध्यान दें: उसके लिए पुकारो, अपनी आवाज़ ऊँची करो, और तब तुम पाओगे। नीतिवचन 2:3 में ज्ञान के रूप में अनुवादित शब्द बीयनाह (H998, समझ) है; नीतिवचन 2:5 में परमेश्वर का ज्ञान दाथ (H1847, ज्ञान) है। समझ के लिए पुकारो, और परमेश्वर तुम्हें अपने आप का ज्ञान देता है। वह उस व्यक्ति से इसे नहीं छिपाता जो पुकारता है।)

D. नीतिवचन 19:2 मनुष्य का ज्ञानरहित रहना अच्छा नहीं, और जो उतावली से दौड़ता है वह चूक जाता है। **[H1847 daath ⚑]**

बिना ज्ञान के प्राण = अच्छा नहीं + जो अपने पैरों से उतावली करता है वह पाप करता है।

II. समस्त ज्ञान की चरम सीमा — परमेश्वर, और यीशु मसीह को जानना

A. यूहन्ना 17:3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें। **[G1097 ginosko ⚑]**

और अनन्त जीवन यह है = कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को + जिसे तूने भेजा है, जानें.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ वह लक्ष्य है जिसकी ओर सारा ज्ञान बढ़ता है। गिनोस्को (G1097, जानना) का अर्थ है उसके बारे में जानना नहीं, बल्कि उसे जानना। अनन्त जीवन लिखित अक्षर पर निर्भर नहीं है, बल्कि एक व्यक्ति को जानने पर निर्भर है — एकमात्र सच्चा परमेश्वर, और यीशु मसीह जिसे उसने भेजा है।)

B. फिलिप्पियों 3:8 वरन् मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूँ। जिसके कारण मैंने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त करूँ। **[G1108 gnosis ⚑]**

मैं सब वस्तुओं को हानि समझता हूं → मसीह यीशु मेरे प्रभु के ज्ञान की उत्तमता के कारण + जिससे मैं मसीह को प्राप्त करूं।

C. 2 कुरिन्थियों 4:6 इसलिए कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, "अंधकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो। (यशा. 9:2) **[G1108 gnosis ⚑]**

परमेश्वर ने हमारे हृदयों में चमक दी है → परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश = यीशु मसीह के मुख में।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वही परमेश्वर जिसने अंधकार में से ज्योति चमकने की आज्ञा दी, उसी ने हमारे हृदयों में चमक दी है। और वह ज्योति क्या दिखाती है? एक मुख। परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का एक मुख है, और वह मुख यीशु मसीह का है। सारा सच्चा ज्ञान अंततः उसी की ओर देखने पर जाकर ठहरता है।)

III. ज्ञान की कमी नष्ट कर देती है

A. होशे 4:6 मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नाश हो गई; तूने मेरे ज्ञान को तुच्छ जाना है, इसलिए मैं तुझे अपना याजक रहने के अयोग्य ठहराऊँगा। इसलिए कि तूने अपने परमेश्वर की व्यवस्था को त्याग दिया है, मैं भी तेरे बाल-बच्चों को छोड़ दूँगा। **[H1847 daath ⚑]**

मेरी प्रजा ज्ञान की कमी के कारण नाश हुई + तूने ज्ञान को त्याग दिया है → मैं भी तुझे त्याग दूंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह ध्यान दीजिए: वे शक्ति की कमी से, या रोटी की कमी से नष्ट नहीं हुए, बल्कि ज्ञान की कमी से नष्ट हुए। और ज्ञान उनसे छिपाया नहीं गया था — उसे अस्वीकार किया गया था। दोष देने वाले में नहीं था।)

B. रोमियों 1:28 जब उन्होंने परमेश्वर को पहचानना न चाहा, तो परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया; कि वे अनुचित काम करें। **[G1922 epignosis ⚑]**

उन्होंने परमेश्वर को अपने ज्ञान में बनाए रखना उचित न समझा → परमेश्वर ने उन्हें एक निकम्मे मन के हाथ में सौंप दिया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — होशे और पौलुस एक ही गवाही देते हैं, एक इस्राएल के बारे में, दूसरा अन्यजातियों के बारे में। परमेश्वर को अपने ज्ञान से बाहर धकेल दो, और मन स्वयं सौंप दिया जाता है। epignosis (G1922, स्वीकार करना) — उन्होंने परमेश्वर को स्वीकार करना नहीं चाहा, और परमेश्वर ने उन्हें त्याग दिया।)

IV. चेतावनी — एक ज्ञान जो फुलाता है

A. 1 कुरिन्थियों 8:1 अब मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में हम जानते हैं, कि हम सब को ज्ञान है: ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से उन्नति होती है। **[G1108 gnosis ⚑]**

ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से उन्नति होती है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ज्ञान अपने आप में मनुष्य को फुला देता है; प्रेम मनुष्य को उन्नत करता है। ज्ञान प्राप्त करो, परन्तु उसे प्रेम में लिए रहो, ताकि वह तुम्हें फुला न दे।)

B. 2 तीमुथियुस 3:7 और सदा सीखती तो रहती हैं पर सत्य की पहचान तक कभी नहीं पहुँचतीं। **[G1922 epignosis ⚑]**

सदा सीखते रहना + परन्तु सत्य के ज्ञान तक कभी पहुँच न पाना।

C. 1 तीमुथियुस 6:20 हे तीमुथियुस इस धरोहर की रखवाली कर। जो तुझे दी गई है और मूर्ख बातों से और विरोध के तर्क जो झूठा ज्ञान कहलाता है दूर रह। **[G1108 gnosis ⚑]**

जो तेरे पास अमानत रखी गई है उसकी रक्षा कर + झूठे ज्ञान की विरोधी बातों से बचना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ शब्द विज्ञान वास्तव में ज्ञानोसिस (G1108, ज्ञान) है — एक तथाकथित ज्ञान जो झूठा है। एक प्रकार की शिक्षा है जो कभी सत्य तक नहीं पहुँचती, और एक ऐसा ज्ञान है जो वास्तव में ज्ञान है ही नहीं। जो तुम्हें सौंपा गया है उसकी रक्षा करो, और सब बातों को परखो।)

V. आशा — पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से परिपूर्ण

A. यशायाह 11:9 मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देगा और न हानि करेगा; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसा जल समुद्र में भरा रहता है। **[H1844 deah ⚑]**

वे न तो दुख देंगे और न नाश करेंगे → पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से परिपूर्ण होगी।

B. हबक्कूक 2:14 क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है। **[H3045 yada ⚑]**

पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से परिपूर्ण हो जाएगी + जैसे जल समुद्र को ढांपता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जिस ज्ञान को लोग अब ठुकरा रहे हैं, वह एक दिन सारी पृथ्वी को भर देगा। जो कुछ उन थोड़े लोगों में आरम्भ हुआ जो उससे डरते थे, वह हर देश को ढांक लेगा। परमेश्वर अपनी पृथ्वी को अज्ञानता में नहीं छोड़ेगा।)

दो के मुख

यशायाह 11:9 मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देगा और न हानि करेगा; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसा जल समुद्र में भरा रहता है। **[H1844 deah ⚑]**

पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी।

हबक्कूक 2:14 क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है। **[H3045 yada ⚑]**

पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से परिपूर्ण होगी।

गिनती 14:21 परन्तु मेरे जीवन की शपथ सचमुच सारी पृथ्वी यहोवा की महिमा से परिपूर्ण हो जाएगी; (इब्रा. 3:11) **[H3519 kabod ⚑]**

जैसा मैं जीवित हूँ → सारी पृथ्वी यहोवा की महिमा से भर जाएगी।

सभोपदेशक 4:12 यदि कोई अकेले पर प्रबल हो तो हो, परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे। जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती।

परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे + जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीनों को एक साथ रखिए। यशायाह कहता है कि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी; हबक्कूक कहता है यहोवा की महिमा के ज्ञान से; और यहोवा ने स्वयं मूसा से शपथ खाई कि पृथ्वी यहोवा की महिमा से भर जाएगी। ज्ञान और महिमा एक ही प्रतिज्ञा में जुड़े हुए हैं: उसे जानना उसकी महिमा को देखना है, और सारी पृथ्वी उसे देखेगी।)

छाया और पूर्णता

Shadow **होशे 6:3** आओ, हम ज्ञान ढूँढ़ें, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा के समान हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिससे भूमि सींचती है।" **[H3045 yada ⚑]**

तब हम जानेंगे, यदि हम यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते रहें + उसका निकलना भोर के समान ठीक किया हुआ है।

Fulfillment **2 कुरिन्थियों 4:6** इसलिए कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, "अंधकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो। (यशा. 9:2) **[G1108 gnosis ⚑]**

परमेश्वर की महिमा के ज्ञान का प्रकाश = यीशु मसीह के मुख में।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — होशे कहते हैं, यहोवा को जानने के लिए आगे बढ़ते रहो, और उसका आना भोर के समान निश्चित है। पौलुस कहता है कि भोर हो चुकी है: परमेश्वर ने हमारे हृदयों में प्रकाश चमकाया है। जिस वस्तु की खोज में भविष्यद्वक्ता लगे थे, उसे अब हम खुले मुख से देखते हैं — परमेश्वर की महिमा, यीशु मसीह के मुख में।)

समापन

2 पतरस 3:18 पर हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन। **[G1108 gnosis ⚑]**

अनुग्रह में + हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ते जाओ।

यूहन्ना 17:3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ एकमात्र सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तूने भेजा है, जानें। **[G1097 ginosko ⚑]**

यही अनन्त जीवन है = कि वे तुझे जानें।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरे मामले का निष्कर्ष यह है। ज्ञान को चाँदी की भाँति खोजना चाहिए, और यह यहोवा के भय से आरम्भ होता है। जो इसे तुच्छ जानते हैं वे नाश हो जाते हैं; जो इसे बिना प्रेम के रखते हैं वे फूल जाते हैं; और जो बिना स्वीकार किए सीखते हैं वे कभी सत्य तक नहीं पहुँचते। परन्तु सब बातों का अन्त बहुत सी पुस्तकें नहीं हैं — वह एक मुख है, और एक व्यक्ति है, और अनन्त जीवन है: परमेश्वर को, और यीशु मसीह को जिसे उसने भेजा है, जानना। उस ज्ञान में बढ़ते जाओ, और वह दिन आ रहा है जब सारी पृथ्वी उससे परिपूर्ण हो जाएगी।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. नीतिवचन 18:15 — बुद्धिमान का मन ज्ञान प्राप्त करता है; और बुद्धिमानों के कान:
a) जीवन की चितावनी सुनता है
b) ज्ञान की खोज करता है
c) सुनने से भरा जाता है

2. होशे 4:6 — मेरी प्रजा ज्ञान की कमी के कारण नष्ट हुई है:
a) दर्शन

b) सम्मांते
c) ज्ञान

3. यूहन्ना 17:3 — और यह अनन्त जीवन है, कि वे तुझे अद्वैत सत्य परमेश्वर, और:
a) यीशु मसीह, जिसे तू ने भेजा है
b) सत्य का आत्मा, जिसे वह भेजेगा
c) मूसा, जिस पर तुम भरोसा करते हो

4. 1 कुरिन्थियों 8:1 — ज्ञान फुलाता है, परन्तु:
a) बुद्धि मूर्खता से उत्तम है
b) प्रेम उन्नति करता है
c) भविष्यवाणी कलीसिया को उन्नत करती है

5. 1 तीमुथियुस 6:20 — हे तीमुथियुस, जो तेरे पास amanat रखी गई है, उसकी रक्षा कर, और अपवित्र बकवास और विरोध से बचता रह, जो कि इस झूठी विद्या का है, जिसका नाम ज्ञान है:
a) कथित रूप से ज्ञान
b) दर्शनशास्त्र और व्यर्थ छल
c) मनुष्यों की आज्ञाएँ

6. 2 कुरिन्थियों 4:6 — क्योंकि परमेश्वर जिस ने अन्धियारे में से ज्योति चमकने की आज्ञा दी, उसी ने हमारे हृदयों में ज्योति चमकाई कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति
a) मूसा के चेहरे पर
b) बादल के खम्भे में
c) यीशु मसीह के मुख में

7. गिनती 14:21 — परन्तु जैसा मैं जीवित हूं, वैसे ही सारी पृथ्वी इससे भर जाएगी:
a) यहोवा का ज्ञान
b) यहोवा का तेज
c) यहोवा की स्तुति

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-c, 3-a, 4-b, 5-a, 6-c, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

नई वाचा इसे कैसे स्पष्ट करती है: प्रतिज्ञा कहती है, वे सब छोटे से लेकर बड़े तक मुझे जानेंगे (यिर्मयाह 31:34), और यही वचन मसीह में फिर से कहा गया है (इब्रानियों 8:11) — एक छाया जो अपनी पूर्ति से मिली, अपने ही अध्ययन के लिए तैयार।

→ शब्द कैसे मायने रखते हैं: 1 तीमुथियुस 6:20 में विद्या शब्द ग्नोसिस (G1108, ज्ञान) है, और नीतिवचन 2:3 में ज्ञान शब्द बीनाह (H998, समझ) है — चिह्नित करें कि कौन सा शब्द कहाँ स्थित है, और क्यों।

यह किस प्रकार मसीह में छिपा हुआ है: जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं (कुलुस्सियों 2:3) — छिपे हुए धन की खोज से भी अधिक इसे खोजो, और यह खोज एक व्यक्ति पर समाप्त होती है।

अपने हृदय को इस पर कैसे लगाएं: ज्ञान 2 पतरस 1:5-7 की सीढ़ी में खड़ा है — सद्गुण पर ज्ञान बढ़ाओ, और ज्ञान पर संयम — उस सीढ़ी की हर सीढ़ी इसी एक पर टिकी हुई है।

यह अनन्त काल तक कैसे पहुँचता है: अनन्त जीवन यह है, कि उसे जानें (यूहन्ना 17:3) — और बुद्धिमान लोग आकाशमण्डल की चमक के समान चमकेंगे (दानिय्येल 12:3)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).